''महाकवि माघ के शिशुपालवध महाकाव्य में प्रकृति संबंधी विचारों एवं सिद्धांतों का समीक्षात्मक अध्ययन''

डॉ. ज्योति सोनी

गाइड–डॉ. राम कुमार शर्मा

संस्कृत साहित्य के महाकवि माघ के पितामह श्री सुप्रभवदेव थे जो श्री वर्मल नामक किसी राजा के महामंत्री थे। इनके पिता का नाम दत्तक था। विद्वानों ने इनकी स्थिति काल सप्तम् शतक के उत्तरार्द्ध से लेकर नवम शतक माना है।

पर्यावरण की रक्षा आज की एक विश्व समस्या बन गयी है। पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए वैज्ञानिक उपाय खोजे जा रहे हैं। स्थान–स्थान पर वैज्ञानिक गोष्ठियां हो रही है और विश्व सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। वेदों के अध्ययन से विदित होता है कि प्राचीन ऋषि भी पर्यावरण के प्रति सचेत थे और उन्होंने पर्यावरण की सुरक्षा के उपायों का वेदमंत्रों में स्पष्ट उल्लेख किया था।

कालान्तर में संस्कृत वाड्मय के अनेकों काव्यों आदि में पर्यावरण के प्रति प्रेम और जागरूकता का वर्णन बड़े ही मनोहारिणी दिग्दर्शन होता है। महाकवि माघ ने भी अपने शिशुपालवधम् में पर्यावरण के प्रति सचेष्ट प्रयास उपस्थापित किया है।